C797

Total Pages : 3 Roll No. .....

MAHL-605

उत्तराखण्ड का लोक साहित्य (भाग-एक)

M.A. Hindi (MAHL)

3rd Semester Examination, 2022 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×20=40)

1. लोक साहित्य से आप क्या समझते हैं? लोक साहित्य के प्रमुख रूपों को उदाहरण सहित समझाइए।

2. लोकगीत किसे कहते हैं? कुमाउनी संस्कार गीतों को सविस्तार समझाइए।

3. गढ़वाली लोक साहित्य परम्परा पर निबंध लिखिए।

4. लोकगाथा को परिभाषित करते हुए गढ़वाली लोक गाथा पर प्रकाश डालिए।

5. कुमाउनी लोक साहित्य का परिचय देते हुए उसके महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×10=40)

1. लोक साहित्य और परिनिष्ठित साहित्य में अंतर बताइए।

2. गढ़वाली लोकगीत 'खुदेड़' को स्पष्ट कीजिए।

3. वर्तमान संदर्भ में लोकसाहित्य के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

4. लोककथा में निहित लोक तत्व को उद्‌घाटित कीजिए।

5. 'न्यौली' गीतों में वर्णित विरह-व्यंजना का विवेचन कीजिए।

6. जागर-वार्त्ता पर प्रकाश डालिए।

7. 'पाबड़े' की परम्परा को सोदाहरण समझाइए।

8. 'उत्तराखण्ड के लोक वाद्य' शीर्षक पर संक्षिप्त विचार प्रस्तुत कीजिए।